डा० गिरजा उराँव
एसोसिएट प्रो०
K.M.C सासाराम

B.A III Hons
Session 2019-20
Subject = PSY
paper - VII Group A

भौतिक वातावरण

i प्रकाश (Illumination):- किसी भी उद्योग में भौतिक वातावरण के सभी पहलुओं में प्रकाश का महत्व सर्वोपरि है। विभिन्न प्रयोगों से स्पष्ट हुआ है कि कार्य करने के कुल समय के 75% भाग में कर्मचारियों की आँखें प्रमुख रूप से कार्य पर लगी रहती है Lukeish तथा moss के अनुसार अधिकांश कारखाने अपर्याप्त रूप से प्रकाशित होते हैं प्रकाश में वृद्धि होने पर उत्पादन में वृद्धि होती है। यह कर्मचारियों के morale (मनोबल) को एवं संतुष्टि को बढ़ा देता है। अशुद्धियाँ कम होती है। दुर्घटनाओं में कमी आती है। इसकी ओर अपर्याप्त प्रकाश रहने पर कम उत्पादन अधिक बर्बादी, अशुद्धियों एवं दुर्घटनाओं में वृद्धि और थकान अधिक होता है। आँखों पर अधिक दबाव पड़ता है। सभी प्रकाशों में सूर्य के प्रकाश को सर्वोत्तम माना जाता है पर सब जगह सूर्य का प्रकाश समुचित रूप से नहीं मिल पाता। कृत्रिम प्रकाश की व्यवस्था करनी पड़ती है। जो अच्छे विकल्प का सहारा ले सके। चूँकि कुछ कारखाने के भीतर कृत्रिम प्रकाश का सहारा लिया

जाता है और जो सूर्य के प्रकाश से निम्न कोटि का होता है - अतः उनकी व्यवस्था समुचित तथा पर्याप्त हो इस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है। इसके लिए मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों का कुशल उपयोग भी आवश्यक होता है। प्रकाश की व्यवस्था करते समय प्रकाश के तीन पक्षों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है।

1. प्रकाश-तीव्रता की समस्या
(problem of Intensity of Light)
2. प्रकाश-वितरण की समस्या
(problem of distribution of Light)
3. प्रकाश-रंग की समस्या
(problem of colour of Light)

→

Scanned with CamScanner